



## पत्थलगड़ी अभियान

### परीलम्स के लिये:

पत्थलगड़ी अभियान, छोटानागपुर करियादेदारी एक्ट, 1908, संथाल परगना करियादेदारी एक्ट, 1876, पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों तक वस्तितार) अधनियम, 1996

### मेन्स के लिये:

अतिसंवेदनशील वर्गों की रक्षा एवं बेहतरी के लिये गठित तंत्र, वधि, संस्थान, एवं नकिया

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में केंद्र सरकार ने वनों पर जनजातीय समुदायों के अधिकारों को प्रभावित करने वाले वनाधिकार अधनियम, 2006 (Forest Rights Act, 2006) में किये गए संशोधनों को वापस ले लिया है।

### पृष्ठभूमि:

- झारखंड की राज्य सरकार ने छोटानागपुर करियादेदारी एक्ट, 1908 (Chotanagpur Tenancy Act, 1908) और संथाल परगना करियादेदारी एक्ट, 1876 (Santhal Parganas Tenancy Act, 1876) में संशोधन कर भूमिअधगिरहण के मानदंडों को आसान बनाने का प्रयास किया, जिससे समस्या और बढ़ गई।
  - हालाँकि बाद में इन संशोधनों को वापस ले लिया गया।
- इस फैसले ने आदवासी क्षेत्रों में पत्थलगड़ी की घटनाओं (Pathalgadi Movement) को जन्म दिया है जो वन अधिकार अधनियम, 2006 और पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों तक वस्तितार) अधनियम, 1996 [Panchayats (Extension to Scheduled Areas) Act, 1996- PESA] के कार्यान्वयन की मांग कर रहे हैं।

## छोटानागपुर करियादेदारी एक्ट, 1908

### (Chotanagpur Tenancy Act, 1908)

- आदवासियों के खिलाफ शोषण और भेदभाव के खिलाफ बरिसा मुंडा द्वारा किये गए संघर्ष के फलस्वरूप वर्ष 1908 में छोटानागपुर करियादेदारी अधनियम पारित हुआ।
- इस अधनियम ने आदवासी भूमि को गैर-आदवासियों के लिये पारित होने को प्रतबंधित किया।

## संथाल परगना करियादेदारी एक्ट, 1876

### (Santhal Parganas Tenancy Act, 1876)

- संथाल परगना करियादेदारी एक्ट, 1876 बंगाल के साथ लगी झारखंड की सीमा में संथाल परगना गैर-आदवासियों को आदवासी भूमि की बिक्री पर रोक लगाता है।



## पत्थलगड़ी अभियान के बारे में:

- झारखंड के कई गाँवों में गाँव की सीमा को इंगति करने , ग्राम सभा को एकमात्र संप्रभु प्राधिकरण घोषित करने तथा अपने क्षेत्र के बाहरी लोगों पर प्रतर्बिध लगाने के लिये पत्थरों की पट्टिकाएं लगाई जाती हैं ।
  - इन पत्थरों को ही पत्थलगड़ी कहते हैं जो हरे रंग से रंगे होते हैं तथा इन पर संदेश लिखे होते हैं ।
  - इन संदेशों में पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों का वसितार) अधिनियम, 1996 के अंश शामिल होते हैं तथा बाहरी लोगों को गाँव में प्रवेश न करने की चेतावनी होती है
- झारखंड राज्य के आदवासी बहुल इलाकों में पत्थलगड़ी एक सामाजिक और सांस्कृतिक परंपरा है ।
- मुंडा जनजाति परंपरा के अनुसार एक विशाल पत्थर को जमीन में गाढ़ना एक व्यक्ति की मृत्यु का प्रतीक होता है ।
  - पत्थलगड़ी आंदोलन आदवासी समुदाय के पूर्वजों को सम्मानित करने की परंपरा पर आधारित है ।
- यह मुख्य रूप से राज्य के चार जिलों खूंटी, गुमला, समिडेगा और पश्चिम सिंहभूम में केंद्रित है ।

## स्रोत: द हद्द

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/pathalgadi-movement>